বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

B.A. General Examination 2021

(CBCS)

4th Semester

SANSKRIT

PAPER—DSC1DT / DSC2DT

Sanskrit Grammar

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

All questions are of equal value.

Vidyasagar University

अधोलिखितेषु यथेच्छं प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम् । 4×15

1. लघुसिद्धान्ततकौमुदीति कस्य रचना? कति माहेश्चरसूत्राणि? माहेश्चरसूत्रेषु केषां वर्णानाम् इत्संज्ञा स्यात् । उपदेशः इति शब्दस्यार्थः कः ? अदर्शनस्य का संज्ञा? समुत्रं सोदाहरणं च प्रत्याहारनिर्म्माणप्रक्रिया व्याख्यायताम् । 'अ इ उ ऋ एषां वर्णानां प्रत्येकमष्टादश भेदाः' पंक्तिरियं सयुक्तिकं स्पष्टयत। 1+1+1+1+1+5+5

লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী এই গ্রন্থটি কার রচনা? কটি মাহেশ্বর সূত্র? মাহেশ্বর সূত্রগুলিতে কোন বর্ণগুলি ইৎ সংজ্ঞা প্রাপ্ত হয়? উপদেশ শব্দের অর্থ কী? অদর্শনের সংজ্ঞা কী? সূত্র ও উদাহরণ সহকারে প্রত্যাহার গঠন প্রক্রিয়া ব্যাখ্যা কর। 'অ ই উ ঋ এষাং বর্ণনাং প্রত্যেকমষ্টাদশ ভেদাঃ' — এই পংক্তি যুক্তি সহকারে ব্যখ্যা কর।

2. पदसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्? 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्', 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' चेति सूत्रद्वयस्य व्याख्या कार्या। 1+7+7

পদসংজ্ঞাবিধায়ক সূত্র কী? 'তুল্যাস্যপ্রয়ত্ন সবর্ণম', 'অণুদিৎসবর্ণস্য চাপ্রত্যয়ঃ' এই দুটি সূত্রের ব্যাখ্যা কর।

3. निम्नलिखितेषु प्रयोगेषु सन्धिकार्यं कुर्वन्तु।

(क) सुर + अरिः, (ख) महा + अर्धम्, (ग) देव + इन्द्रः, (घ) पृथ्वी + ईश्वरः, (ङ) परम + उपकारकः, (च) महा + ऋषिः, (छ) शिव + एहि, (ज) विनै + अकः (झ) भवत् + चरणम् (ञ) उद् + हतः, (ट) हसन् + चलितः, (ठ) सम्यक् + उक्तम्, (ड) पूर्णः + चन्द्रः, (ढ) सद्यः + जातः, (ण) हताः + गजाः। 1×15

নিম্নলিখিত প্রয়োগগুলিতে সন্ধিকার্য করো।

(ক) সুর + অরিঃ, (খ) মহা + অর্ঘম, (গ) দেব + ইন্দ্র, (ঘ) পৃথ্বী + ঈশ্বর, (ঙ) পরম + উপকারকঃ, (চ) মহা + ঋষিঃ, (ছ) শিব + এহি, (জ) বিনৈ + অকঃ, (ঝ) ভবৎ + চরণম্, (ঞ) উদ্ + হতঃ, (ট) হসন্ + চলিতঃ, (ঠ) সম্যক্ + উক্তম্, (ড) পূর্ণঃ + চন্দ্র, (ঢ) সদ্যঃ + জাতঃ, (ণ) হতাঃ + গজাঃ।

Vidyasagar University

4. निम्नलिखितेषु प्रयोगेषु सन्धिविच्छेदः करणीयः।

(क) पित्रादेशः, (ख) गवाक्षः, (ग) सूर्योदयः, (घ) दैत्यारिः, (ङ) नायकः, (च) उच्चारणम्, (छ) उज्ज्वलः, (ज) स्रष्टा, (झ) महांश्छेदः, (ञ) महदौषधम्, (ट) ज्योतिश्चक्रम्, (ठ) नद्यास्तीरम्, (ड) शोभनोगन्धः, (ढ) दुर्नीतिः, (ण) वहिष्कृतः।

(क) পিত্রাদেশঃ, (খ) গবাক্ষঃ, (গ) সূর্যোদয়ঃ, (ঘ) দৈত্যারিঃ, (ঙ) নায়কঃ, (চ) উচ্চারণম্, (ছ) উজ্জ্বলঃ, (জ) স্রষ্টা, (ঝ) মহাংশ্ছেদঃ, (ঞ) মহদৌষধম্, (ট) জ্যোতিশ্চক্রম্, (ঠ) নদ্যাস্তীরম্, (ড) শোভনোগন্ধঃ (ঢ) দুর্নীতিঃ, (ণ) বহিষ্কৃতঃ।

5. 'टि'-संज्ञाविधायकं सूत्रं किम्? लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं सुद्ध्युपास्यः इति पदं सूत्रोपपत्तिपूर्वकं साधनीयम्। प्रगृह्यसंज्ञाविषये नातिदीर्घा आलोचनैका कार्या। 1+7+7

'টি'-সংজ্ঞাবিধায়ক সূত্র কী? লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে 'সুদ্ধ্যুপাস্যঃ' এই পদটির সূত্রসহকারে ব্যাখ্যা কর। পরগৃহ্য সংজ্ঞা বিষয়ে সক্ষেপে আলোচনা কর।

6. क्रियायां स्वातन्त्र्येण विवक्षितार्थस्य का संज्ञा स्यात्? लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं 'प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा', 'सम्बोधने च' चेति प्रथमाविभक्तिविधायकयोः सूत्रयोः व्याख्या लिखता। 1+10+4

ক্রিয়াতে স্বতন্ত্ররূপে বিবক্ষিতার্থের কি সংজ্ঞা প্রাপ্ত হয়? লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে প্রথমা বিভক্তি বিধায়ক 'প্রাতিপদিকার্থলিঙ্গপরিমাণবচনমাত্রে প্রথমা' ও 'সম্বোধনে চ' এই দুটি সূত্রের ব্যাখ্যা কর।

Vidyasagar University

7. कर्मणि किा विभिक्तिः विधीयते? किं मुख्यकर्म किञ्च गौणकर्म अकथितकर्म वा? कुत्र च गौणकर्म भवेत् सोदाहरणम् लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं सम्यग् आलोच्यताम्। 1+7+7

কর্মকারকে কী বিভক্তি হয়? মুখ্য কর্ম কী ও গৌণ বা অকথিত কর্ম কী? কোথায় কোথায় গৌণকর্ম বা অকথিত কর্ম হয় উদাহরণ সহ লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুযায়ী আলোচনা কর।

8. क्रियासिद्धौ प्रकृष्टस्य उपकारकस्य का संज्ञा विधीयते? केषां च पदानां योगे चतुथी विभक्तिः निर्दिष्टा? आधारः कतिविधः? के च ते? प्रत्येकस्य उदाहरणं प्रदेयम्। लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं 'षष्ठी शेषे' इति सूत्रस्य व्याख्या करणीया। 1+3+1+1+2+7

ক্রিয়াদ্ধিতে প্রকৃষ্ট উপকারকের কী সংজ্ঞা হয়? কোন কোন পদের যোগে চতুর্থী বিভক্তি হয়? আধার কত প্রকার ও কী কী? প্রত্যেকের উদাহরণ দাও। লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুযায়ী 'ষষ্ঠী শেষে' এই সূত্রটির ব্যখ্যা কর।

———

Vidyasagar University